



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं० 546] नई दिल्ली, शुक्रवार विसम्बर 2, 1983/अग्रहायण 11, 1905  
No. 546] NEW DELHI, FRIDAY, DEC. 2, 1983/AGRAHAYANA 11, 1905

---

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

---

वाणिज्य मंत्रालय  
(टेक्सटाइल विभाग)

अधेश

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1983

का० अ० 882(अ) —केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और  
विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रवृत्त  
व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, जूट के विनिर्माण या उत्पादन में लगे हुए अनु-  
सूचित उद्योग के लिए विकास परिषद् के ऐसे सदस्यों की पदावधि को, जो  
भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के समय समय

पर संशोधित आदेश का० आ० सं० 829 (अ), तारीख 1 अक्टूबर, 1980 द्वारा नियुक्त किए गए थे, 1 नवम्बर, 1983 से 31 दिसम्बर, 1983 तक दो मास की अवधि के लिए बढ़ाती है।

[सं० 5/30/82-ई०पी० (टी० एण्ड जे०) III]

डी० एन० कपूर, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

### ORDER

New Delhi, the 12th October, 1983

S.O. 882(E).—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the tenure of members of the Development Council for the scheduled industry engaged in the manufacture or production of jute; appointed vide Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 829(E), dated the 1st October, 1980, as amended from time to time for a period of two months from the 1st November, 1983 to the 31st December, 1983.

[No. 5/30/82-EP(T&J) III]

D.N. CAPOOR, Jt. Secy.